1 'साइलेंट रीडिंग' किसकी रचना है ? [REET (L-II)-2015]

(1) डेचेन्ट (2) स्मिथ
(3) ब्राइन (4) पिन्टर

Ans - 3

2 रेडियो की सीमाओं को कौन-सा श्रव्य साधन दूर कर सकता है ?

(1) ग्रामोफोन (2) लिंग्वाफोन

(3) टेप- रिकॉर्डर (4) उक्त कोई नहीं

Ans - 3

3

- ## ग्रामोफोन

- यह ध्वनि उत्पन्न करने वाला एक यंत्र है जो पहले से रिकॉर्ड की गई ध्वनि को सुनने के लिए प्रयोग किया जाता है। शिक्षण प्रक्रिया में इसके प्रयोग द्वारा भाषण और गीतों की शिक्षा दी जाती है।

एडिसन का बेलन फोनोग्राफ (cylinder phonograph ; सन् 1899)

4

'लिंग्वाफोन' कैसा शैक्षिक उपकरण है ? [REET (L-II)-2015]

(1) दृश्य (2) श्रव्य

(3) दृश्य-श्रव्य (4) कोई नहीं

Ans - 2

5

- लिंगवाफोन
- यह शिक्षण प्रक्रिया में प्रयोग होने वाला एक ऐसा श्रव्य उपकरण है जिसके माध्यम से बच्चों को आदर्श वाचन द्वारा शुद्ध उच्चारण की शिक्षा दी जाती है।
- लिंगुआफोन के स्व-अध्ययन पाठ्यक्रम "सुनो, समझो, बोलो।" छात्रों को शुरू से ही भाषा सुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जैसा कि वे सुनते हैं, पढ़ना शुरू करते हैं, और केवल एक बार बोलने के लिए उन्होंने प्रस्तुत भाषा को समझना सीख लिया है।

6 जिस उद्देश्य के लिए परीक्षण तैयार किया गया है, यदि वह उसकी पूर्ति करता है, तो वह कहलाएगा- [REET (L-II)-2015]

(1) वैध परीक्षण (2) विश्वसनीयता परीक्षण

(3) वस्तुनिष्ठ परीक्षण (4) विषयपरक परीक्षण

Ans - 1

7 उपलब्धि परीक्षण निर्माण में समंकन योजना बनाने का उद्देश्य [REET (L-II)-2015]

(1) निर्णय संबंधी असंगति को दूर करने में सहायता प्रदान करना

(2) प्रश्नों की संख्या निर्धारित करना ।

(3) छात्रों की कठिनाइयों का निर्धारण करना।

(4) उक्त सभी।

Ans - 4

8 सी.सी.ई. प्रणाली में AI ग्रेड कितने प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रदान की जाएगी ? [REET (L-11)-2015]

(1) 91-100
(2) 81-90
(3) 90-100
(4) 71-80

Ans - 1

9

Q. निम्नलिखित में से कौनसा भाषा-शिक्षण का उद्देश्य है-[CTET-Nov. 2012]

(1) भाषा सीखते समय त्रुटियाँ बिल्कुल न करना।

(2) भाषा की बारीकी और सौन्दर्य बोध को सही रूप में समझने की क्षमता को हतोत्साहित करना।

(3) भाषा के व्याकरण सीखने पर बल देना।

(4) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग करना

Ans. 4

10 भाषा सीखने-सिखाने का उद्देश्य है-[CTET-Nov. 2012]

(1) अपनी बात की पुष्टि के लिए तर्क देना।

(2) विभिन्न स्थितियों में भाषा का प्रभावी उपयोग करना।

(3) अपनी बात कहना सीखना।

(4) दूसरों की बात समझना सीखना।

Ans. 2

11 उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य है- [REET (L-II)-2015)

(1) छात्रों की त्रुटियों का पता लगाना।

(2) विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(3) छात्रों का पिछड़ापन दूर करना।

(4) छात्रों की प्रगति का ज्ञान प्राप्त करना।

Ans - 3

वीडियो Solution के लिए यहाँ Click करें

12 सी.बी.एस.ई. (CBSE) ने किस वर्ष 10वीं की बोर्ड परीक्षा से सतत् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली लागू कर दी हैं ? [REET (L-II)-2015]

(1) वर्ष 2010-11 (2) वर्ष 2009-10

(3) वर्ष 2009 (4) वर्ष 2008

Ans - 1

13 भाषा सीखने का स्वाभाविक और मनोवैज्ञानिक क्रम है-

(1) पढना, सुनना, लिखना, बोलना

(2) बोलना, लिखना, सुनना, पढना

(3) सुनना, बोलना, पढना, लिखना

(4) उपर्युक्त सभी

Ans - 3

14 भाषा शिक्षण के सिद्धांत है- [REET (L-II)-2015]

(1) प्रेरणा का सिद्धांत

(2) क्रिया द्वारा सीखने का सिद्धांत

(3) जीवन से जोडने का सिद्धांत

(4) उक्त सभी

Ans - 4

- **प्रेरणा का सिद्धांत-** इसके तहत शिक्षक भाषा से संबंधित ज्ञानार्जन हेतु बच्चों को प्रेरित करता है।
- **क्रिया द्वारा सीखने का सिद्धांत-** इसके तहत बच्चे सक्रिय रूप से भाषा शिक्षण प्रक्रिया में भाग लेते हैं।
- **जीवन से जोड़ने का सिद्धांत-** इसके तहत शिक्षक तथ्यों को बच्चों के जीवन से जोड़ कर भाषा ज्ञान कराता है।
- **अनुकरण का सिद्धांत-** इसके तहत बच्चे परिवार, समाज या शिक्षक द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को दोहराकर भाषा सीखते है।
- **अभ्यास का सिद्धांत-** इसके तहत बच्चों को अधिकाधिक भाषा प्रयोग के अवसर प्रदान कर भाषा संबंधी ज्ञान कराया जाता है।
- **अतः, स्पष्ट है कि प्रेरणा, क्रिया द्वारा सीखना, तथा जीवन से जोड़ने, ये सभी भाषा शिक्षण के सिद्धांत हैं।**

16 भाषा दक्षता/कौशल विकास किया जा सकता है-

(1) शुद्ध उच्चारण के माध्यम से

(2) लिपि व वर्तनी का सही ज्ञान कराकर

(3) शब्द रचना का ज्ञान कराकर

(4) उक्त सभी प्रकार से

Ans - 4

वीडियो Solution के लिए यहाँ Click करें

17 रचना शिक्षण के मुख्य रूप होते है-

(1) पांच (2) तीन

(3) दो (4) सात

Ans - 3

18

निगमन विधि-

(1) मनोवैज्ञानिक विधि है। (2) अमनोवैज्ञानिक है।

(3) कुछ कह नहीं सकते। (4) उक्त कोई नहीं।

Ans - 2

नियम से शुरू हो कर उदारण की ओर जाती है

इस विधि में शिक्षक अपनी भाषा में विद्यार्थियों को नियम या परिभाषा बता कर उनके सिद्धांत एवं परिभाषा को स्पष्ट करता है।

इस विधि में परिभाषाओं को रटने पर ध्यान दिया जाता है।

यह एक अमनोवैज्ञानिक क्योंकि यह सूक्ष्म से स्थूल की और के सिद्धांत पर आधारित है।

अत: उपरोक्त विवरण से यह ज्ञात होता है की निगमन विधि ।

19 "पाठोपरान्त मूल्यांकन" किसे कहते हैं ?

(1) पाठ पढ़ाने से पूर्व का

(2) पाठ पढ़ाते समय का

(3) पाठ पढ़ाने के बाद का

(4) घर पर का

Ans - 3

20 प्रारंभिक अवस्था में बालक भाषा सीखता है-

(1) निरीक्षण, अनुकरण, श्रवण द्वारा

(2) निरीक्षण, श्रवण, अनुकरण द्वारा

(3) श्रवण, निरीक्षण, अनुकरण द्वारा

(4) श्रवण, अनुकरण, निरीक्षण द्वारा

Ans - 3

21

वाक्य विश्लेषण के शिक्षण हेतु उपयुक्त विधि है-

(1) आगमन विधि

(2) निगमन विधि

(3) गीत-अभिनय विधि

(4) उक्त सभी

Ans - 1

22

मौन वाचन से क्या लाभ हैं ? [REET (L-II)-2015]

(1) ज्ञान की वृद्धि

(2) अवकाश के समय का सदुपयोग

(3) खरीदी गई किताब का सदुपयोग

(4) शारीरिक वृद्धि

Ans – 1,2

वीडियो Solution के लिए यहाँ
Click करें

23 बालक परिवार में रहकर कैसी भाषा सीख जाता है ?[REET (L-II)-2015]

(1) सांकेतिक भाषा (2) लिखित भाषा

(3) बोलचाल की भाषा (4) कोई नहीं

Ans - 3

24

समतल पर बिखरी सामग्री को बहुत तेज प्रकाश द्वारा परदे पर प्रतिबिम्बित किया जा सकता है ? [REET (L-II)-2015]

(1) फिल्म-स्ट्रिप के माध्यम से
(2) स्लाइड के माध्यम से
(3) एपिडायस्कोप के माध्यम से
(4) मैजिक लालटेन के माध्यम से

Ans - 3

25 दृश्य-श्रव्य सामग्री की आवश्यकता निम्न में से किस विधि के लिए आवश्यक नहीं है ? [REET (L-II)-2015]

(1) समस्या-समाधान विधि (2) व्याख्यान विधि

(3) योजना विधि (4) उपरोक्त सभी

Ans - 2

- समस्या-समाधान विधि
- यह एक बाल केन्द्रित शिक्षण विधि है जो सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी तथा उपयुक्त दृश्य-श्रव्य सामग्री के प्रयोग द्वारा समस्याओं के समाधान पर जोर देती है।

- योजना/परियोजना विधि
- यह विधि एक समूह में व्यावहारिक ज्ञान के प्रयोग द्वारा किसी परियोजना
दृश्य-श्रव्य सामग्री के प्रयोग द्वारा पूरा करने के लिए विद्यार्थी की सक्रिय
संदर्भित करती है।

26 शिक्षण में सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य है- [REET (L-II)-2015]

(1) विषय निर्धारण

(2) उद्देश्य निर्धारण

(3) बिन्दु निर्धारण

(4) समय निर्धारण

Ans - 2

27

मौन वाचन का मूल्यांकन किस परीक्षा के द्वारा किया जा सकता है ?

[REET (L-II)-2015]

(1) पूर्ति परीक्षा

(2) सत्यासत्य परीक्षा

(3) बहुविकल्प परीक्षा

(4) उक्त तीनों से

Ans - 4

28

निदान की परीक्षण विधि के प्रकार होते हैं ? [REET (L-II)-2015]

(1) 7 (2) 2

(3) 4 (4) 8

Ans - 2

व्यक्तिकेन्द्रित: इस परिक्षण में बालक की विशेष कमजोरियों अथवा विशिष्टता का परिचय प्राप्त किया जाता है।

समूह केन्द्रित: इसमें विशिष्ट समूह की सामूहिक त्रुटियों अथवा कमजोरियों को ज्ञात किया जाता है।

29 शिक्षार्थियों के सतत् एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) पर प्रभावी जोर दिया गया-

(1) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 मे

(2) प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति में

(3) मुदालियर आयोग की सिफारिशों में

(4) उक्त में से कोई नहीं

Ans - 1

वीडियो Solution के लिए यहाँ
Click करें

30 प्रोजेक्ट विधि को सर्वप्रथम किस वैज्ञानिक ने शिक्षा प्रणाली का व्यावहारिक रूप दिया ?

(1) ड्यूवी (2) डॉ. डब्ल्यू.एच. किलपैट्रिक

(3) स्टीवेन्सन (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans - 2

प्रोजेक्ट विधि की मूल अवधारणा जॉन डीवी के द्वारा दी गई है तथा उनके शिष्य किलपैट्रिक ने इस विधि का प्रतिपादन किया। इस विधि में बालक ही किसी को प्रोजेक्ट द्वारा हल किया जाता है यह उद्देश्य पूर्ण होती हैं। इसमें शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में काम करता है।

31 मूल्यांकन आयाम के निम्न तीन सोपान होते हैं :

1. शैक्षिक उद्देश्यों का निर्धारण करना
2. अधिगम के अनुभव प्रदान करना
3. व्यवहार परिवर्तन का मूल्यांकन करना

यह उपर्युक्त तीनों सोपान निम्न में से किसके द्वारा दिए गए हैं ?

(1) बी.एस. ब्लूम (2) हर्बर्ट
(3) स्किनर (4) थॉर्नडाइक

Ans -1

32

मूल्यांकन की प्रक्रिया है : [REET (L-II)-2015]

(1) उद्देश्यों की उपलब्धि के विस्तार का निर्धारण

(2) परिणामों की गुणवत्ता व मूल्यों का निश्चय करना

(3) अनुदेशन के परिणामों की तुलना करना

(4) उपर्युक्त सभी

Ans - 4

33 अधिगम अनुभव केन्द्रित इकाई योजना में निम्न में से किस पर अधिक बल दिया जाता है- [द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) पाठ्यक्रम पर

(2) छात्र अनुक्रिया पर

(3) शिक्षक अनुक्रिया पर

(4) पाठ्यक्रम व शिक्षक अनुक्रिया दोनों पर

Ans - 2

34 पर्यवेक्षित अध्ययन विधि का विकास किस स्तर के शिक्षण को ध्यान में रखकर किया गया है-

[द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) चिंतन स्तर (2) स्मृति स्तर

(3) बोध स्तर (4) (1) व (2) दोनों

Ans - 3

35 गद्य-शिक्षण के द्रुत पाठ में अधिक ध्यान दिया जाता है-

(1) अर्थबोध

(2) सस्वर पाठ पर

(4) शब्दार्थ पर

(3) मौन पाठ पर

Ans - 1

36 एक समान उच्चारित होने वाले शब्द निम्नांकित में से किस विधि में एक साथ सिखाए जाते हैं-[द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) अनुध्वनि विधि (2) अक्षर बोध विधि

(3) संगीत विधि (4) ध्वनि साम्य विधि

Ans - 4

37 प्रत्यक्ष विधि' में जिन आधारभूत कौशलों को सीखने का पर्याप्त अवसर मिलता है, वे हैं- [द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) सुनना और बोलना

(2) सुनना और लिखना

(3) पढ़ना और लिखना

(4) बोलना और लिखना

Ans - 1

38 'हरबर्टीय विधि' में 5 पदों द्वारा शिक्षण का उपयुक्त क्रम [द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) प्रस्तुतीकरण-प्रस्तावना - तुलना-प्रयोग- नियमिकरण

(2) नियमीकरण- प्रस्तावना - तुलना- प्रस्तुतीकरण- प्रयोग

(3) प्रस्तावना - प्रस्तुतीकरण-तुलना-नियमीकरण-प्रयोग

(4) प्रस्तावना - प्रयोग-तुलना-नियमीकरण- प्रस्तुतीकरण

Ans - 3

39 मातृभाषा और सीखी जाने वाली द्वितीय भाषा दोनों का भाषा वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत करने हेतु प्रभावी विधि है-[द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) व्यतिरेक विधि (2) समवाय विधि

(3) व्याख्यान विधि (4) क्षसूत्र विधि

Ans - 1

40 अध्यापक शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण के पूर्व प्रदर्शन पाठ के समय छात्राध्यापक अनुकरण विधि का प्रयोग करते समय किस भूमिका का निर्वाह नहीं करता है- [द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) शिक्षक (2) छात्र

(3) पर्यवेक्षक (4) प्राचार्य

Ans - 4

41

'अनुवाद-विधि' सिद्धांत का पालन करती है-[द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) ज्ञात से अज्ञात की ओर

(2) विशेष से सामान्य की ओर

(3) स्थूल स्थूल से सूक्ष्म की ओर

(4) विश्लेषण से संश्लेषण की ओर

Ans - 1

42 भाषा संसर्ग विधि' के संदर्भ में कौनसा कथन असत्य है-

(1) व्याकरण का व्यावहारिक उपयोग सिखाना चाहिए।

(2) व्याकरण को एक विषय के रूप में अलग से शिक्षण करवाना चाहिए।

(3) व्याकरण शिक्षण के समय तार्किक क्रम के स्थान पर परिस्थिति का महत्त्व अधिक होता है।

(4) औपचारिक व्याकरण शिक्षण में आगमन विधि को प्राथमिकता देनी चाहिए।

Ans - 2

43 विद्यार्थियों की अधिगम योग्यता, ग्रहणशीलता व प्रस्तुत विषय वस्तु संबंधी कठिनाई को समझने के लिए शिक्षक को क्या करना चाहिए-

(1) प्रस्तावना प्रश्न (2) प्रश्न सहजता कौशल

(3) मूल्यांकन प्रश्न (4) बोध प्रश्न

Ans - 4

44

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से सूक्ष्म शिक्षण किस मनोवैज्ञानिक के अधिगम सिद्धांत पर आधारित है-

(1) इवन पी. पावलाव

(2) टोलमैन

(3) बी. एफ. स्किनर

(4) रॉबर्ट एम. गेने

Ans - 3

45 दल शिक्षण के लिए उपयुक्त कथन है- [द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) प्रत्येक दल सदस्य का उत्तरदायित्व पृथक स्तरीय होगा।

(2) प्रत्येक दल सदस् का कार्य लगभग समान होगा।

(3) प्रत्येक दल सदस्य नेतृत्व का कार्य करता है।

(4) प्रत्येक दल सदस्य सम विषयी शिक्षक ही होता है।

Ans - 1

46 किस विधि में भाषा व्यवहार पुष्टि के लिए पखवाड़े तक कार्य गोष्ठी की जा सकती है-[द्वितीय श्रेणी पेपर-2014]

(1) सैनिक विधि
(2) समूह शिक्षण विधि
(3) ध्वन्यात्मक विधि
(4) दूरस्थ शिक्षण विधि

Ans - 4

47 रसानुभूति पाठ का संबंध होता है-

(1) भावात्मकता से
(2) विचारात्मकता से
(3) क्रियात्मकता से
(4) रचनात्मकता से

Ans - 1

वीडियो Solution के लिए यहाँ
Click करें

48 उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा का सर्वोपरि उद्देश्य है- [CTET-2014]

(1) सरसरी और तीव्र गति से पढ़ना।

(2) भाषा के सौंदर्यशास्त्र से परिचय

(3) निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील इस्तेमाल

(4) विभिन्न साहित्यिक विधाओं का गहनतम ज्ञान प्राप्त करना

Ans - 3

49 सुनी, पढ़ी और समझी हुई भाषा को सहज और स्वाभाविक लेख द्वारा अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करने में निम्नलिखित में से कौन सहायक है? [CTET-2014]

(1) 'मेरा प्रिय अध्यापक' विषय पर निबंध लिखना।

(2) औपचारिक पत्र लेखन

(3) किसी पढ़ी हुई कहानी को संक्षेप में लिखना।

(4) सुनी, देखी, पढ़ी घटना को अपने शब्दों में लिखित रूप में अभिव्यक्त करना।

Ans - 4

50 उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण-शिक्षण का उद्देश्य... में सहायक होगा-[CTET-2014]

(1) भाषा की प्रकृति, प्रकार्य और व्याकरणिक नियमों को कंठस्थ करने

(2) व्याकरण की परिभाषाओं को कंठस्थ करने

(3) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उसका विश्लेषण करने

(4) भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को अत्यधिक महत्त्व देने

Ans - 3

51 उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा-विकास के लिए कौनसी गतिविधि उपयोगी नहीं हो सकती-

(1) सूचना, डायरी-लेखन, विज्ञापन-लेखन आदि का कार्य करवाना।

(2) पढ़ी गई कहानियों का समूह में नाट्य रूपांतरण

(3) विज्ञापनों, पोस्टरों, साइनबोर्ड और भाषा के अन्य उपयोगों का विश्लेषण करना।

(4) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाना।

Ans - 4

52 श्रुतलेखन विधि का उद्देश्य नहीं है-

(1) एकाग्रचित्तता का विकास

(2) लेखन गति का विकास

(3) शुद्ध व स्पष्ट लेखन का विकास

(4) वाचन गति का विकास

Ans - 4